प्रयाण गीत

सुख का दाता, सब का साथी, शुभ का यह संदेश है,
माँ की गोद, पिता का आश्रय, मेरा मध्यप्रदेश है.

विंध्याचल सा भाल नर्मदा का जल जिसके पास है,
यहाँ ज्ञान-विज्ञान कला का लिखा गया इतिहास है.
उर्वर भूमि सघन वन रत्न सम्पदा जहाँ अशेष है,
स्वर-सौरभ-सुषमा से मंडित मेरा मध्यप्रदेश है.

सुख का दाता सब का साथी शुभ का यह संदेश है,
माँ की गोद, पिता का आश्रय मेरा मध्यप्रदेश है.

क्षिप्रा में अमृत घट छलका मिला कृष्ण को ज्ञान यहाँ,
महाकाल को तिलक लगाने मिला हमें वरदान यहाँ
कविता, न्याय, वीरता, गायन सब कुछ यहाँ विशेष है,
हृदय देश का यह, मैं इसका, मेरा मध्यप्रदेश है.

सुख का दाता सब का साथी शुभ का यह संदेश है,
माँ की गोद, पिता का आश्रय मेरा मध्यप्रदेश है.

संस्कृति विभाग के लिए इस गीत की रचना श्री महेश श्रीवास्तव ने की है.
प्रख्यात पार्श्व गायक श्री शान ने इस गीत को स्वर दिया है.